डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–14
दिनांक– मंगलवार, 17 फरवरी, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.3 एवं 9.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 14.8 एवं दोपहर में 28.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(18–22 फरवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 18–22 फरवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।
- औसतन 4–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए अगात सरसों की तैयार फसलों की कटाई, झड़ाई एवं सुखाने का कार्य शीघ्र पूर्ण करें। अगात आलू की तैयार फसल की खुदाई करें तथा खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई बंद कर दें। जो किसान भाई आलू की फसल को बीज हेतु रखना चाहते हैं, वे उसकी ऊपरी लत्तर (पत्तियों/तनों) की कटाई कर दें ताकि कंद अच्छी तरह पक सकें।
- समय से बोई गई गेहूँ की फसल यदि गाभा (बूटिंग) अवस्था में पहुँच गई हो तो उसमें 30 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उर्वरक का उपरिवेषण करें, जिससे बालियों का विकास अच्छा हो और उपज में वृद्धि हो।
- भिंडी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। उन्नत किस्में जैसे परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के.एस.–312, ओकरा–04, पंजाब–7, पंत भिंडी–1, काशी प्रगति तथा संकर किस्में जैसे भवानी, कृष्णा, काशी भैरव एवं काशी महिमा उपयुक्त हैं। बीज दर 15–18 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय 200 क्विंटल कम्पोस्ट, 120 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम सल्फर तथा 60 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। तैयार खेत की हल्की जुताई कर गरमा सब्जियों जैसे भिंडी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई की जा सकती है। लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रोलिफिक लॉन्ग एवं राउंडय नेनुआ के लिए राजेन्द्र नेनुआ–1, पूसा चिकनी, पूसा प्रिया, कल्याणपुर चिकनीय तथा करेला के लिए पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लॉन्ग, पंत करेला एवं कल्याणपुर बारहमासी किस्में अनुशंसित हैं। बीज प्रमाणित स्रोत से ही लें।
- इस समय लहसुन एवं अगात बोई गई प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट की नियमित निगरानी करें। कीट की संख्या अधिक होने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। बेहतर परिणाम के लिए चिपकाने वाला पदार्थ (जैसे टीपोल) 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से मिलाएँ।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। यह कीट फलियों पर जालीनुमा आवरण बनाकर अंदर प्रवेश कर दानों को खा जाता है, जिससे उपज में भारी कमी आती है। प्रबंधन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें तथा 15–20 टी–आकार के पक्षी बैठका (बर्ड पर्चर) प्रति हेक्टेयर लगाएँ। अधिक प्रकोप होने पर क्विनालफॉस 25 ई.सी. या नोवाल्यूरॉन 10 ई.सी. का 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- चारा हेतु ज्वार, मकई एवं बाजरा की बुआई करें। जई, बरसीम एवं लूसर्न जैसी स्थापित चारा फसलों की कटाई 25–30 दिन के अंतराल पर करें तथा प्रत्येक कटाई के बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उर्वरक का उपरिवेषण करें।
- बसंतकालीन ईख एवं शकरकंद की रोपाई/बुआई करें। अक्टूबर–नवंबर में रोपी गई ईख की फसल में हल्की सिंचाई करें। केला में सूखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर कर दें तथा प्रति पौधा 200 ग्राम यूरिया, 200 ग्राम म्यूरिएट ऑफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 25.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 12.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी